भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में महात्मा गांधी का योगदान ①

परिचय

⇒ मोहन दास करम चन्द्र गांधी → "अन्तर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस"

जन्म : 2 अक्टूबर, 1869, पोरबन्दर (गुजरात)

मृत्यु : 30 जनवरी 1948 (नई दिल्ली) → "शहीद दिवस"

पिता - करम चन्द्र गांधी, माता - पुतलीबाई, पत्नी - कस्तूरबा गांधी

* सितम्बर 1888 में कानून की पढ़ाई के लिए "गांधी यूनिवर्सिटी कालेज" लन्दन गये।
* 1893 में एक भारतीय फर्म 'नेटाल' से करार पर एक वर्ष के लिए वकालत करने द० आफ्रीका गये।
* द० आफ्रीका में अपनी विचारधारा के प्रसार के लिए फीनिक्स सेटलमेंट और टालस्टाय फार्म की स्थापना की।
* द० आफ्रीका में रंगभेद, गुलामी प्रथाओं का जोरदार विरोध किया।
* द० आफ्रीका में दो समाचार पत्रों का सम्पादन - इंडियन ओपीनियन, यंग इण्डिया
* गांधी जी शाकाहार, अस्पृश्यता विरोधी, रंगभेद विरोधी, बंधुआ मजदूरी विरोधी, मद्यपान विरोधी आंदोलनों के प्रमुख समर्थक थे।
* भूख हड़ताल, सत्याग्रह, असहयोग आंदोलनो के जनक।
* पुस्तक "हिंद स्वराज" का लेखन 1909 में लंदन जाते समय किया।
* भारत वापसी 1915 में हुयी।
* गांधी जी ने अपना राजनैतिक गुरु "गोपाल कृष्ण गोखले" को बनाया।
* 1915 में अहमदाबाद के पास साबरमती नदी के तट पर "सत्याग्रह आश्रम" की स्थापना की।
* भारतीय राजनीतिक क्षेत्र में प्रथम महत्वपूर्ण कार्य - गिरमिटया प्रथा (मजदूरों की भर्ती) का अशान्त विरोध किया।
* 1917 - "चम्पारण सत्याग्रह" में भाग लिया ⇒ "महात्मा" की उपाधि मिली।
* 1918 ⇒ "खेड़ा सत्याग्रह" - भारत में गांधी जी प्रथम किसान सत्याग्रह था। खेड़ा (गुजरात) - "कर नही" आन्दोलन।

#diwakarspecialclasses
KD Job Updates
KD Job Updates

* 1918 — अहमदाबाद मिल आन्दोलन में पहली बार "भूख हड़ताल" का प्रयोग।
  मिल मजदूरों और मालिकों में "प्लेग बोनस" का विवाद।

* हरिजन सेवक संघ — गांधी जी द्वारा स्थापित, अध्यक्ष - घनश्याम दास बिड़ला।

* 23 नवम्बर 1919 — "अखिल भारतीय खिलाफत कमेटी" के अधिवेशन की अध्यक्षता।

* 20 जून 1920 — इलाहाबाद में आयोजित "हिन्दू-मुस्लिम" संयुक्त बैठक में "असहयोग" को रणनीतिक अस्त्र अपनाने पर सहमति।

* 31 अगस्त 1920 — "खिलाफत दिवस" में गांधी जी की सक्रिय ~~भागीदार~~ भागीदारी एवं मार्गदर्शन।

* 1 अगस्त 1920 — गांधी जी द्वारा "असहयोग आंदोलन" का प्रारंभ।

कारण

रौलेट एक्ट, जालियाबाला बाग हत्याकांड, हण्टर कमेटी की रिपोर्ट, भारतीय स्वराज की मांग

रचनात्मक कार्य

- → शराब का बहिष्कार
- → हिन्दू मुस्लिम एकता
- → अहिंसा अपनाना
- → छूआछूत से परहेज
- → स्वदेशी का प्रयोग
- → खादी को बढ़ावा
- → "कड़े कानूनों के विरुद्ध सविनय अवज्ञा"

* गांधी जी असहयोग आंदोलन के दौरान "कैसरे हिन्द" की उपाधि वापस की।

* 1921 में "तिलक स्वराज फण्ड" की स्थापना। (आंदोलन के व्यय हेतु)

* 5 फरवरी 1922 — चौराचौरी काण्ड।

* 12 फरवरी 1922 — गांधी जी द्वारा "चौराचौरी काण्ड" से आहत होकर "असहयोग आंदोलन" वापस लेने की घोषणा की।

* 13 मार्च 1922 गांधी जी गिरफ्तार (असंतोष भड़काने के आरोप में) 5 फरवरी 1924 — रिहा।

⇒ दिसम्बर 1924 "कांग्रेस के बेलगांव अधिवेशन (39 वां)" की अध्यक्षता महात्मा गांधी जी द्वारा की गयी।

⇒ 12 मार्च 1930 "सविनय अवज्ञा आंदोलन" का प्रारंभ
गांधी जी 79 समर्थकों के साथ साबरमती आश्रम से 385 km दूर डाण्डी के लिए यात्रा की। 24 दिन बाद 6 अप्रैल 1930 को समुद्र तट पर नमक बनाकर "नमक कानून" का उल्लंघन किया।

KD Job Updates
KD Job Updates

* 5 मई 1930 — गांधी जी गिरफ्तार। ⇒ के बाद "अब्बास तैय्यबजी" ने नमक आंदोलन का नेतृत्व किया। (3)

* 5 मार्च 1931 ⇒ "गांधी - इरविन समझौता" सम्पादित हुआ।

"गांधी - इरविन" को दो महात्मा कहा
↓
सरोजिनी नायडू ने

समझौते को "सांत्वना पुरस्कार" कहा - "ऐलन कैम्पबेल जानसन" ने

* 7 सितम्बर 1931 को आयोजित "द्वितीय गोलमेज" सम्मेलन में गांधी जी ने कांग्रेस प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया। S.S. Rajputana जहाज से गये।

* "विंस्टन चर्चिल" ने यहीं पर गांधी जी को "अधनंगा / देशद्रोही फकीर" कहा।

* द्वितीय गोलमेज आंदोलन की विफलता के बाद "3 जनवरी 1932" को सविनय अवज्ञा आंदोलन दोबारा प्रारंभ, "7 अप्रैल 1934 को वापस।

("साम्प्रदायिक मतभेद के बर्फ का पहाड़ स्वतंत्रता के सूरज की गर्मी से पिघल जायेगा" — महात्मा गांधी जी (द्वि गोलमेज सम्मेलन की असफलता पर)

* 20 अगस्त 1932 को कम्यूनल अवार्ड (16 अगस्त 1932 को ब्रिटिश प्रधानमंत्री "रैम्जे मैकडोनाल्ड" द्वारा घोषित) के विरुद्ध आमरण अनशन प्रारंभ किया।

* 26 सितम्बर 1932 को गांधी जी एवं अम्बेडकर के मध्य "पूना समझौता"

* 1 अगस्त 1933 गांधी जी द्वारा "व्यक्तिगत सविनय अवज्ञा आंदोलन" प्रारंभ
↓
"अगस्त संकल्प"

* 17 अक्टूबर 1940 को गांधी जी द्वारा "व्यक्तिगत सत्याग्रह" का प्रारंभ।
↓
प्रथम सत्याग्रही - विनोबा भावे
द्वितीय सत्याग्रही - जवाहर लाल नेहरू

* 14 जुलाई 1942 — "वर्धा अधिवेशन" ⇒ "भारत छोड़ो आन्दोलन" का प्रस्ताव कांग्रेस कार्यसमिति में पारित।

"मैं देश के बालू से ही कांग्रेस से बड़ा आन्दोलन खड़ा कर दूंगा।"
— महात्मा गांधी (कांग्रेस में भारत छोड़ो आन्दोलन के प्रति प्रारंभिक असहमति पर गांधी जी की प्रतिक्रिया)

* 8 अगस्त 1942 : "भारत छोड़ो आन्दोलन" का प्रस्ताव भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की वार्षिक बैठक (ग्वालिया टैंक मैदान, मुंबई) में पारित। 9 अगस्त 1942 — आन्दोलन प्रारम्भ।
"करो या मरो" ⇒ महात्मा गांधी

KD Job Updates

* 9 अगस्त 1942 – गांधी जी गिरफ्तार (पुणे के आगा खा पैलेस में बन्द)
* 10 फरवरी 1943 – गांधी जी द्वारा आगा खा पैलेस में 21 दिनों के उपवास की घोषणा।

⇒ गांधी जी को "वन मैन बाउन्ड्री फोर्स" कहा → माउंटबेटेन ने

"राष्ट्रपिता" का सम्बोधन → सुभाष चन्द्र बोस द्वारा (6.7.44 को आजाद हिन्द रेडियो

"भारत छोड़ो" आन्दोलन में गांधी जी के साथ ~~ब्रिटिश~~ अमेरिकन पत्रकार – लुई फिशर

⇒ महात्मा गांधी का प्रथम जन आंदोलन = असहयोग आंदोलन (1920)

* "गांधी मर सकते हैं, परन्तु गांधीवाद हमेशा जिन्दा रहेगा" – महात्मा गाँधी (कराची अधिवेशन – 1931)
* सुभाष चन्द्र बोस को "देश भक्तों का राजकुमार" कहा – महात्मा गांधी ने
* "विदेशी वस्त्रों की बरबादी, ही उनके साथ सर्वोत्तम व्यवहार है" – गांधी जी।
* गांधी जी ने "हिन्द स्वराज" पुस्तक में ब्रिटिश संसद को बांझ और वेश्या कहा।
* रवीन्द्र नाथ टैगोर को "महान प्रहरी" कहा – महात्मा गांधी ने।

गांधी जी द्वारा लिखित रचनाएं, पत्र, पत्रिकाएं :

हरिजन, इंडियन ओपीनियन, नवजीवन, यंग इण्डिया,
"एक आत्मकथा या सत्य के साथ मेरे प्रयोग" – आत्मकथा

KD Job Updates
#diwakarspecialclasses
KD Job Updates